BSES

अप्रैल– मई के दौरान बीएसईएस ने खरीदी 455 करोड़ की अतिरिक्त बिजली

नई दिल्लीः 22 जून, 2010। अप्रैल और मई महीनों के दौरान आश्चर्यजनक रूप से बढ़ी बिजली की मांग को पूरा करने के लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने 454 करोड़ रूपये की अतिरिक्त बिजली खरीदी है, ताकि उपभोक्ताओं को बिजली की किल्लत का सामना न करना पड़े। अप्रैल और मई 2010 में अप्रैल व मई 2009 के मुकाबले बीआरपीएल ने 18 प्रतिशत अधिक बिजली खरीदी, जबकि बीवाईपीएल ने 15 प्रतिशत अधिक बिजली खरीदी।

अप्रैल और मई 2010 में बीआरपीएल ने 2124 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी, और बीवाईपीएल ने 1244 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी। उल्लेखनीय है कि अप्रैल व मई 2009 में बीआरपीएल ने 1809 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी थी और बीवाईपीएल ने 1061 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी थी।

अप्रैल, 2010 में बीआरपीएल ने अप्रैल 2009 के मुकाबले 25 प्रतिशत अधिक, जबकि बीवाईपीएल ने 23 प्रतिशत अधिक बिजली खरीदी।

बीआरपीएल (मिलियन यूनिट)

महीना	साल 2010	साल 2009	अंतर (%)
अप्रैल	999.64	797	25
अप्रैल	1142.40	1012	13
दो महीने में कुल	2142	1809	18

बीवाईपीएल (fमिलियन यूनिट)

महीना	साल 2010	साल 2009	अंतर (%)
अप्रैल	582	471.38	23
मई	662	589.19	12
दो महीने में कुल	1244	1061	17

उपभोक्ताओं ने पिछले साल के मुकाबले बिजली की अधिक खपत की है, इसलिए जाहिर है कि पिछले साल के मुकाबले उनका बिजली का बिल भी ज्यादा आएगा।

यदि बिजली खरीद पर खर्च की गई रकम की बात करें, तो बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अप्रलै व मई 2010 में, अप्रैल और मई 2009 के मुकाबले क्रमशः 51 और 73 प्रतिशत ज्यादा रकम खर्च की है। इस साल अप्रैल और मई के दौरान बीएसईएस ने बिजली खरीद पर 454 करोड़ रूपये अतिरिक्त खर्च किए। बीआरपीएल ने पिछले साल के मुकाबले बिजली खरीद पर 62 प्रतिशत अधिक रूपये खर्च किए हैं, जबकि बीवाईपीएल ने 107 प्रतिशत अधिक रूपये खर्च किए हैं।

बीआरपीएल– कुल लागत

2010 (अप्रैल व मई)	2009 (अप्रैल व मई)	अंतर (%)
352 करोड़ रूपये	217 करोड़ रूपये	62
428 करोड़ रूपये	300 करोड़ रूपये	43
कुल 780 करोड़ रूपये	517 करोड़ रूपये	51

बीवाईपीएल– कुल लागत

2010 (अप्रैल व मई)	2009 (अप्रैल व मई)	अंतर (%)
211 करोड़ रूपये	102.14 करोड़ रूपये	107
243 करोड़ रूपये	160.77 करोड़ रूपये	51
कुल 454 करोड़ रूपये	263 करोड़ रूपये	73

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, हालांकि बीआरपीएल और बीवाईएल ने बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की है, लेकिन फिर भी 25 लाख उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि जिम्मेदारी के साथ बिजली का उपयोग करें।

आज उत्तरी भारत के चार राज्यों – चंडीगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू व कश्मीर– में बिजली की जितनी खपत हुई है, उससे 37 प्रतिशत अधिक बिजली की खपत दिल्ली में हुई है।

गर्मियां इस साल रोज नए रेकॉर्ड बना रही हैं। इस साल के पहले चार महीने, उत्तर भारत के पिछले 100 सालों के इतिहास में सबसे गर्म महीने साबित हुए हैं। अभी भी तापमान कम होने के कोई आसार नजर नही आ रहे हैं। 20 जून को दिल्ली का तापमान 46.5 डिग्री पर पहुंच चुका था। यही वजह है कि राजधानी में बिजली की मांग भी रोज नए रेकॉर्ड बना रही है। 21 जून को तो बिजली की मांग यहां 4668 मेगावॉट पर पहुंच गई। यह दिल्ली में बिजली की अब तक की सर्वाधिक मांग थी।

आज उत्तरी भारत के चार राज्यों – चंडीगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू व कश्मीर– में बिजली की जितनी खपत हुई है, उससे 37 प्रतिशत अधिक बिजली की खपत दिल्ली में हुई है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304